

HINDI LITERATURE

Paper 4 Texts

8675/04

October/November 2019

2 hours 30 minutes

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An answer booklet is provided inside this question paper. You should follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper ask the invigilator for a continuation booklet.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose **one** question from Section 1, **one** question from Section 2 and **one other**.

Write your answers in **Hindi**.

Dictionaries are **not** permitted.

You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.

All questions in this paper carry equal marks.

पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

इस प्रश्न-पत्र के भीतर उत्तर-पुस्तिका दी गई है। उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण करें। यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। और एक अन्य प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।

अपने उत्तर हिन्दी में लिखें।

शब्दकोश का प्रयोग मना है।

आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक नहीं ले जा सकते हैं।

आपका प्रत्येक उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच लिखा जाना चाहिए।

इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं।

This document consists of 6 printed pages, 2 blank pages and 1 Insert.

उत्तर-पुस्तिका का निर्देश:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर खाली खानों को भरें।

गहरे नीले या काले रंग की स्याही से लिखें।

किसी भी बारकोड के ऊपर न लिखें।

अपने उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखें। पृष्ठ के दोनों तरफ लिखें। कृपया प्रत्येक प्रश्न के उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच दो पंक्तियाँ खाली छोड़ें।

जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं उसकी प्रश्न-संख्या पहले हाशिये में लिखें।

Question	Part
1	ai
1	a ii

आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं, यदि उसके कई भाग हैं, उदाहरण के लिए 1 (a), उस भाग को हाशिये के दूसरे भाग में लिखें।

यदि आपने अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका का उपयोग किया है तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ लगा दें।

भाग 1**1 सूरसागर सार – सूरदास और श्री रामचरितमानस - तुलसीदास**

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(a)

देन आए ऊधौ मत नीकौ।

आवहु री मिलि सुनहु सयानी, लेहु सुजस कौ टीकौ।
 तजन कहत अंबर आभूषन, गेह नेह सुत ही कौ।
 अंग भस्म करि सीस जटा धरि, सिखवत निरगुन फीकौ।
 मेरे जान यहै जुवतिनि कौ, देत फिरत दुख पी कौ।
 ता सराप तैं भयौ स्याम तन, तउ न गहत डर जी कौ।
 जाकी प्रकृति परी जिय जैसी, सोच न भली बुरी कौ।
 जैसेँ सूर ब्याल रस चाखें, मुख नहिँ होत अमी कौ।

उद्धव गोपी संवाद ॥52॥

उपर्युक्त उद्धरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। गोपियों के कथन द्वारा सूरदास की सगुण भक्ति-भावना को सिद्ध कीजिए।

[25]

या

(b) सुन्दरकाण्ड में तुलसीदास ने अपने आराध्य श्रीराम के अलौकिक रूप की महिमा का वर्णन किस प्रकार से किया है? पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश से उदाहरण सहित लिखिए।

[25]

2 प्रसाद, निराला, महादेवी, पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(a)

मेरे आँगन में (टीले पर है मेरा घर)
 दो छोटे-से लड़के आ जाते हैं अक्सर!
 नंगे तन, गदबदे, साँवले, सहज छबीले,
 मिट्टी के मटमैले पुतले, – पर फुर्तीले।
 जल्दी से टीले के नीचे उधर, उतरकर
 वे चुन ले जाते कूड़े से निधियाँ सुंदर-
 सिगरेट के खाली डिब्बे, पन्नी चमकीली,
 फीतों के टुकड़े, तस्वीरें नीली पीली
 मासिक पत्रों के कवरों की; औ' बंदर से
 किलकारी भरते हैं, खुश हो-हो अंदर से।
 दौड़ पार आँगन के फिर हो जाते ओझल
 वे नाटे छः सात साल के लड़के मांसल

सुंदर लगती नग्न देह, मोहती नयन-मन,
 मानव के नाते उर में भरता अपनापन!
 मानव के बालक हैं ये पासी के बच्चे
 रोम-रोम मानव साँचे में ढाले सच्चे!
 अस्थि-मांस के इन जीवों का ही यह जग घर,
 आत्मा का अधिवास न यह - वह सूक्ष्म, अनश्वर!
 न्यौछावर है आत्मा नश्वर रक्त मांस पर,
 जग का अधिकारी है वह, जो है दुर्बलतर!
 वहिन, बाढ़, उल्का, झंझा की भीषण भू पर
 कैसे रह सकता है कोमल मनुज कलेवर?
 निष्ठुर है जड़ प्रकृति, सहज भंगुर जीवित जन,
 मानव को चाहिए यहाँ, मनुजोचित साधन!
 क्यों न एक हों मानव-मानव सभी परस्पर
 मानवता निर्माण करें जग में लोकोत्तर।
 जीवन का प्रासाद उठे भू पर गौरवमय,
 मानव का साम्राज्य बने, मानव-हित निश्चय।
 जीवन की क्षण-धूलि रह सके जहाँ सुरक्षित,
 रक्त-मांस की इच्छाएँ जन की हों पूरित!
 –मनुज प्रेम से जहाँ रह सके, –मानव ईश्वर!
 और कौन सा स्वर्ग चाहिए तुझे धरा पर?

दो लड़के

उपर्युक्त कविता की सप्रसंग व्याख्या करते हुए लिखिए कि यह कवि की मानवतावादी संवेदना की अभिव्यक्ति में कहाँ तक सक्षम है?

[25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित जयशंकर प्रसाद की कविताओं के उदाहरण सहित उनकी भाषा और अलंकार-विधान पर अपने विचार लिखिए।

[25]

3 मैथिलीशरण गुप्त – भारत-भारती

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (a) छाई अविद्या की निशा है, हम निशाचर बन रहे;
हा! आज ज्ञानाभाव से वीभत्स रस में सन रहे।
हे राम! इस ऋषि-भूमि का उद्धार क्या होगा नहीं?
हम पर कृपा कर आपका अवतार क्या होगा नहीं? ||135||

विद्या बिना अब देख लो, हम दुर्गुणों के दास हैं;
हैं तो मनुज हम, किंतु रहते दनुजता के पास हैं!
दायें तथा बायें सदा सहचर हमारे चार हैं -
अविचार, अन्धाचार हैं, व्यभिचार, अत्याचार हैं! ||136||

हा! गाढ़तर तमसावरण से आज हम आच्छन्न हैं, ।
ऐसे विपन्न हुए कि अब सब भौंति मरणासन्न हैं।
हम ठोकरें खाते हुए भी होश में आते नहीं,
जड़ हो गये ऐसे कि कुछ भी जोश में आते नहीं! ||137||

वर्तमान खण्ड

उपर्युक्त काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। कवि वर्तमान खण्ड के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं?

[25]

या

- (b) क्या मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' वर्तमान युग में भी उतनी ही सटीक है जितनी उनके जीवन काल में थी? पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों के उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए।

[25]

भाग 2

4 आधे-अधूरे – मोहन राकेश

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (a) 'आधे-अधूरे' नाटक में वर्तमान मध्यवर्गीय परिवार में होने वाले पारस्परिक सम्बंधों के विघटन की त्रासदी को मोहन राकेश ने कितनी सफलता से चित्रित किया है? नाटक की कथावस्तु के आधार पर लिखिए।

[25]

या

- (b) 'आधे-अधूरे' नाटक के पात्र - बड़ी लडकी, अशोक और किन्नी का चरित्र-चित्रण कीजिए। क्या उनके माध्यम से मोहन राकेश वर्तमान युवा पीढ़ी के आक्रोश और असंतोष को अभिव्यक्त कर पाये हैं?

[25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह – सरोजिनी शर्मा

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (a) 'पुरस्कार' कहानी में जयशंकर प्रसाद ने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में कर्तव्य के लिए प्रेम के बलिदान की आदर्शवादी भावना का निर्वाह किस प्रकार से किया है?

[25]

या

- (b) 'रानी माँ का चबूतरा' कहानी की कथावस्तु के विवरण सहित उसकी मूल संवेदना पर अपने विचार लिखिए।

[25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ – सम्पादक: अभिमन्यु अनंत

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (a) लोचन विदेशी ने 'कॅनफेशन' कहानी के माध्यम से किस सामाजिक समस्या का चित्रण किया है?

[25]

या

- (b) एम. बी. ई. कहानी में भानुमती नागदान वृद्धावस्था के प्रति समाज की उपेक्षा की समस्या का यथार्थवादी चित्रण करने में कहाँ तक सफल हुई हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

[25]

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.